O.I.H.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF AGRICULTURE
DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION

LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO.187
TO BE ANSWERED ON THE 21ST JULY, 2015

DECLINE IN PRODUCTION OF OILSEEDS

187. SHRIMATI SAKUNTALA LAGURI:
SHRI PRATAPRAO JADHAV:

Will the Minister of AGRICULTURE कृषि मंत्री
be pleased to state:

(a) whether the production of oilseeds is declining due to insect and pest infections in various parts of the country;

(b) if so, the details thereof;

(c) the efforts made by the Government to resolve the said problem with a view to improve the production of oilseeds; and

(d) the extent to which the success achieved as a result thereof?

ANSWER

MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (SHRI MOHANBHAI KUNDARIA)

(a): No, Madam.

(b): Does not arise.

(c) & (d): Improved varieties/hybrids of oilseed crops tolerant/resistant to major insect-pests and diseases have been widely propagated. Support are being provided to farmers for adoption of Integrated Pest Management (IPM) technologies and capacity building through Farmers Fields School (FFS) to control majo r diseases and pests. Monitoring of pests and diseases are being done and scientific pest management advisories are given to farmers through SMS. Pesticides are being supplied to farmers at subsidized rates. There have been no reports of large scale infestation of insect and pest in last 4-5 years.

****

भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं० 187

21 जुलाई, 2015 को उत्तरार्थ

विषय : तिलहनों के उत्पादन में गिरावट

187. श्रीमती सकुंतला लागुरीः

श्री प्रतापराव जाधव

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न भागों में कीट और कृमि संदूषण के कारण तिलहनों का उत्पादन घट रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा तिलहनों के उत्पादन में सुधार के लिए उक्त समस्या के समाधन हेतु क्या प्रयास किए गए हैं; और

(घ) इसके परिणामस्वरूप किस स्तर तक सफलता प्राप्त हुई है?

उत्तर

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहनभाई कुंडारीया)

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) मुख्य कीट-कृमि और रोग सह्य/प्रतिरोधी तिलहन फसलों की उन्नत किस्मों/संकरों का व्यापक रूप से प्रचार किया गया है। मुख्य रोगों और कीटों के नियंत्रण के लिए किसान फील्ड स्कूल (एफएफएस) के जरिए समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) प्रौद्योगिकियाँ और क्षमता निर्माण को अपनाने के लिए किसानों को सहायता प्रदान की जा रही है। कीटों और रोगों की निगरानी की जा रही है और एसएमएस के जरिए किसानों को वैज्ञानिक कीट प्रबंधन परामर्शिका प्रदान की जाती है। किसानों को कीटनाशक सब्सिडाइस्ट दरों पर प्रदान किए जा रहे हैं। पिछले 4-5 वर्षों में कीट और कृमि के वृहत् स्तर आक्रमण की कोई रिपोर्ट नहीं है।

*****